

>

Title: Need to provide a fair price of cotton to cotton-growers and lift ban on its export.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहान (साबरकांठा): गुजरात कपास उत्पादन करने वाले राज्यों में अग्रणी राज्य है और मेरे संसदीय क्षेत्र साबरकांठा में सभी किसान कपास की खेती पर निर्भर हैं। इस साल कपास की फसल खराब हो जाने के कारण कपास का उत्पादन पिछले साल से कम हुआ है। मंहंगे बीज, मंहंगे सिंचाई साधन, मंहंगी कीटनाशक दवाएं एवं मजदूरों की बढ़ती मजदूरी के कारण कपास की उत्पादन लागत आज काफी बढ़ चुकी है, जिससे किसानों को उनकी उत्पादन लागत का पूरा दाम नहीं मिल पा रहा है। पिछले साल सरकार ने कपास के निर्यात पर पाबंदी लगाई, जिससे दामों में गिरावट आई। पिछले वर्ष प्रति गांठ का मूल्य 24000 रुपये था और प्रति 20 किलो का कपास का दाम 700 रुपये से 800 रुपये के आसपास मिल रहा था। आज अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कपास के उत्पादन में गिरावट के कारण कपास की मूल्य वृद्धि 24000 रुपये से बढ़कर 44000 रुपये हो गई जबकि भारतीय किसान को पुराना दाम यानि प्रति 20 किलो का कपास का दाम 700 रुपये से 800 रुपये मिल रहा है। कपास की उत्पादन लागत के बढ़ने से एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कपास की गांठों के बढ़े मूल्य को ध्यान में रखकर किसानों को प्रति 20 किलोग्राम 1200 से 1500 रुपये तक का दाम दिया जाये एवं कपास किसानों के हितों को ध्यान में रखकर कपास के निर्यात पर प्रतिबंध न लगाया जाये और निर्यात पर लगाये गये निर्यात शुल्क को तत्काल हटाया जाये, जिससे किसान पहले से ज्यादा कपास का उत्पादन कर सकें।

सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त मांगों पर तत्काल विचार कर अमल में लाया जाये।